



# प्यासी भाभी को चाहिए जोरदार गन्दी चुदाई- 2

“Xxx डर्टी पोर्न हिन्दी कहानी में एक देसी भाभी को ब्लू फिल्म देख कर वैसा ही गंदा सेक्स करने की लालसा हुई तो उसकी सहेली ने उसकी यह इच्छा पूरी करने में मदद की. ...”

Story By: कोमल मिश्रा (Komalmis)

Posted: Monday, January 30th, 2023

Categories: [नौकर-नौकरानी](#)

Online version: [प्यासी भाभी को चाहिए जोरदार गन्दी चुदाई- 2](#)

# प्यासी भाभी को चाहिए जोरदार गन्दी

## चुदाई- 2

Xxx डर्टी पोर्न हिन्दी कहानी में एक देसी भाभी को ब्लू फिल्म देख कर वैसा ही गंदा सेक्स करने की लालसा हुई तो उसकी सहेली ने उसकी यह इच्छा पूरी करने में मदद की.

नमस्कार दोस्तो, मैं रेणु अपनी सेक्स कहानी में आप सभी का एक बार फिर से स्वागत करती हूं.

सेक्स कहानी के पहले भाग

### जोरदार गन्दी चुदाई की चाहत

मैं आप लोगों ने पढ़ा था कि मैं अपने पति से सेक्स के मामले में खुश तो थी, लेकिन मुझे जिस तरह का सेक्स चाहिए था, वो मेरे पति मुझे नहीं दे रहे थे.

मैंने अपनी सहेली की मदद से अपने घर पर सुबबाराव को रखा, जो कि हमारे यहां बगीचों की देखभाल करता था.

एक महीने बाद भी हमारे बीच कुछ भी नहीं हुआ था इसलिए मेरी सहेली ने एक प्लान बनाया जिससे मेरे अन्दर जो संकोच था ... वो खत्म हो सके.

तो दोस्तो, Xxx डर्टी पोर्न हिन्दी कहानी में आगे क्या हुआ, ये जानते हैं.

जैसे कि मैंने आपको कहानी की शुरुआत में ही बताया था कि मेरे पति एक मल्टीनेशनल कंपनी के मालिक हैं, इसलिए आए दिन उन्हें कंपनी के काम से विदेश आना-जाना लगा रहता था.

इसी तरह से उस वक्त भी मेरे पति को एक हफ्ते के लिए विदेश जाना पड़ा.  
इसका फायदा उठाते हुए मेरी सहेली ने मेरे घर पर एक छोटी सी पार्टी करने के लिए कहा,  
जिसमें केवल हम तीन लोग ही रहने वाले थे.

जिस दिन मेरे पति विदेश गए, उस दिन शाम को मैंने पार्टी करने का प्लान बनाया.  
दोपहर में मेरे पति चले गए और मैंने होटल से ही शाम के खाने का ऑर्डर कर दिया.

इसके साथ ही मेरी सहेली ने वाइन का इंतजाम किया.  
शाम को 7 बजे मेरी सहेली मेरे घर आ गई और हमने सभी तैयारी करने के बाद 8 बजे  
सुब्बाराव को बुलाया.

मेरी सहेली ने पहले से ही सुब्बाराव को सब बता दिया था कि आज रात क्या होने वाला है.

शुरू में हम तीनों ने वाइन पीना शुरू किया.  
उस वक्त मैंने एक पिक कलर की साड़ी पहनी हुई थी.

मैं सुब्बाराव की नजरों को भांप रही थी.  
सुब्बाराव की नजर मेरी कमर की ओर ही जा रही थी क्योंकि साड़ी में कमर साफ साफ दिख  
रही थी.

धीरे धीरे वाइन का दौर चलता रहा और हम तीनों को ही नशा छाने लगा.  
इसके बाद हम तीनों ने साथ में खाना खाया.

खाना खाने के बाद भी मेरी सहेली ने एक एक और वाइन का पैग तैयार किया और इस बार  
उसने मुझे कहा- तू सुब्बाराव की गोद में बैठकर वाइन पी.  
सुब्बाराव सोफे पर बैठा हुआ था और मैं जाकर उसकी गोद में बैठ गई.  
उसने अपने हाथों से मुझे वाइन पिलाई.

इतने में मैंने महसूस किया कि मुझे मेरी गांड में कुछ चुभ रहा है.  
मैं समझ गई कि ये सुबबाराव का लंड है जो फ़नफ़ना रहा था.

मौके का फायदा उठाकर सुबबाराव ने भी अपना एक हाथ मेरी कमर में डालकर मुझे सहारा दिया हुआ था.

वाइन खत्म होने के बाद मेरी सहेली अपने घर जाने के लिए तैयार हुई और मैं उसे बाहर तक छोड़कर आई.

वापस आकर मैंने दरवाजा बंद किया और सुबबाराव के बगल में आकर बैठ गई.

अब मेरे अन्दर का सारा डर निकल गया था और मेरे जिस्म में बस वासना की लहर दौड़ रही थी.

मेरा मन कर रहा था कि आज सुबबाराव मेरी चूत को चाट चाट कर मुझे वो मजा दे, जिसके लिए मैं तड़प रही थी.

सुबबाराव भी अब मुझसे खुल गया था और उसने शुरुआत करते हुए मेरे हाथों को अपने हाथ में लिया और मेरी आंखों में देखते हुए मेरे हाथ को चूमने लगा.  
ऐसे ही अब सुबबाराव मेरे और करीब आता गया और मेरे चेहरे के पास आकर मेरे गालों को चूमने लगा.

मैंने भी अपनी आंखें बंद करके उसे हर चीज करने की इजाजत दे दी.

वह मेरे गालों को चूमते हुए मेरे होंठों तक पहुंच गया और जल्द ही उसने मेरे होंठों को अपने होंठों से दबा लिया ; कभी ऊपर के होंठ को कभी नीचे के होंठ को वो बारी बारी से चूसने लगा.

मेरे हाथ भी उसकी पीठ पर चले गए और मैं उसे अपनी तरफ खींचने लगी.

जल्द ही सुब्बाराव ने मुझे खड़ी कर लिया और मेरे गालों, होंठों, गर्दन, कान हर जगह अपने चुम्बनों की झड़ी लगा दी.

इसके साथ ही उसका एक हाथ मेरी कमर को सहला रहा था.

उसकी बांहों में झूलती हुई मैं अभी से ही काफी जोश में आ गई थी और दुनिया की परवाह किए बिना बस चाह रही थी कि आज सुब्बाराव मेरी ऐसी चुदाई करे, जिसके लिए मैं न जाने कबसे तड़प रही थी.

उस वक्त मुझे इतना भी पता नहीं चला कि सुब्बाराव ने मेरी साड़ी निकाल दी है.

जब मेरी नजर नीचे गई, तो मेरी साड़ी नीचे पड़ी हुई थी और मैं ब्लाउज पेटिकोट में ही थी.

जल्द ही सुब्बाराव ने भी अपनी टी-शर्ट निकाल फेंकी और अब वो केवल लोवर में ही था.

मैंने उसके चौड़े फौलादी सीने को देखा, जिससे साफ पता चल रहा था कि वो एक मजबूत मर्द था.

उसने मेरी कमर में अपना एक हाथ डाला और मेरे गले को चूमते हुए मेरे सीने तक पहुंच गया.

मैं उसकी बांहों में झूल रही थी.

जल्द ही उसने मेरे ब्लाउज का हुक खोलकर मेरे ब्लाउज को भी अलग कर दिया.

मेरे दोनों दूध ब्रा के अन्दर से ही दिखने लगे.

सुब्बाराव ने तुरंत ही मेरे पेटिकोट की डोरी खींच दी, जिससे मेरा पेटिकोट मेरे पैरों में जा गिरा और अब मैं ब्रा पैंटी में उसकी बांहों में मचल रही थी.

मैं सोचने लगी कि कहीं ये मुझे यहीं तो नंगी नहीं कर देगा.

मैंने उसे ऐसा करने से रोका और बेडरूम की तरफ इशारा किया.

उसने भी मेरे इशारे को समझते हुए मुझे अपनी गोद में उठा लिया और मुझे बेडरूम में ले गया.

अन्दर मेरा आलीशान बिस्तर लगा हुआ था, जिसमें मोटे फोम का गद्दा और मखमली चादर बिछी हुई थी.

सुब्बाराव ने मुझे पलंग के पास खड़ा किया और अपने दोनों हाथ पीछे ले जाकर मेरे चूतड़ों को पकड़ते हुए अपनी तरफ खींचा.

मैं भी अपने दोनों हाथ उसके गले में डालकर उसके सीने से लग गई.

मेरे तने हुए दोनों दूध उसके मजबूत चौड़े सीने में दबे जा रहे थे.

उसने एक बार फिर से मेरे मखमली होंठों को चूमना शुरू कर दिया और मैं भी उसका पूरा साथ देती हुई अपनी जीभ निकालकर उसके मुँह में डालने लगी.

मैं इतनी उतावली हो गई थी कि अपने दूध को उसके सीने में रगड़ने लगी.

उसका लंड लोवर के अन्दर से ही पूरी तरह से तना हुआ था और मेरी जांघों के बीच घुसा जा रहा था.

मैं भी उसके लंड पर अपनी चूत को छुआ रही थी.

उसका लंड लोवर के अन्दर था इसलिए मुझे उसका सही सही अंदाजा नहीं लग रहा था लेकिन मैं इतना समझ गई थी कि उसका लंड मेरे पति से काफी मोटा था.

जल्द ही उसने मेरी ब्रा को निकाल दिया और मेरे दोनों दूध आजाद हो गए.

सुब्बाराव ने जैसे ही मेरे बड़े बड़े तने हुए मम्मों को देखा, उससे रहा नहीं गया और वो मेरे

मम्मों पर टूट पड़ा.

वो बेहद उतावला होकर मेरे दोनों मम्मों को बारी बारी से चूस रहा था और उसने कई बार अपने दांत मेरे मम्मों पर गड़ा दिए थे.

वो मेरे निप्पलों को बड़ी बेदरती से चूस रहा था, मुझे मीठा दर्द हो रहा था और साथ ही उसके ऐसा करने से ही मेरे पूरे बदन में आग लग चुकी थी.

मैं ऐसा ही चाहती थी कि कोई मेरे जिस्म को निचोड़ ले और सुब्बाराव बिल्कुल वैसा ही मेरे साथ कर रहा था.

उसके इस तरह से दूध चूसने से मेरे तन में आग लग चुकी थी. मैंने एक झटके में ही उसके लोवर के ऊपर से ही उसका लंड पकड़ लिया और उसे मसलने लगी.

मेरे ऐसा करने से सुब्बाराव और ज्यादा जोश में आ गया. उसने अपने दोनों हाथों से मेरी पीठ को कस कर जकड़ लिया और मेरे सीने को अपने मुँह में चिपका कर मेरे दोनों चूचों को बुरी तरह से चूमने लगा.

मैं भी उसके लंड को लोवर के ऊपर से ही अपनी मुट्ठी में भर ली और दबाते हुए लंड को आगे पीछे करने लगी.

जल्द ही मैंने उसके लोवर की डोरी ढीली कर दी और उसके लोवर के अन्दर हाथ डालकर उसके लंड को बाहर निकाल लिया.

जैसे ही मैंने उसके लंड को देखा, मेरे मुँह से निकल गया- ओह माय गॉड!

दोस्तो, मेरे पति का लंड साढ़े पांच इंच का है, लेकिन सुब्बाराव का लंड तो कम से कम 8 इंच लंबा था और ये काफी मोटा भी था.

इस प्रकार का लंड मैंने अभी तक केवल पोर्न फिल्मों में ही देखा था.

उसका सुपारा सामने से बिल्कुल खुला हुआ था, उसमें सामने कोई चमड़ी नहीं थी.

मैंने सोचा कि ये तो आज मेरी चूत का बैंड बजा देगा. मेरी चूत में आज तक केवल मेरे पति का ही लंड घुसा था. इस लंड के सामने उनका लंड कुछ भी नहीं था.

एक बार फिर से सुब्बाराव ने मुझे अपनी बांहों में भर लिया और दोनों हाथों से मेरी पीठ, कमर, चूतड़, जांघ सबको सहलाने लगा.

जल्द ही उसका लोवर जमीन पर पड़ा हुआ था और वो पूरी तरह से नंगा हो चुका था.

उसके विशाल मजबूत बदन के आगे मेरा नाजुक बदन केवल आधा ही था.

मेरी चूत उस समय तक इतना ज्यादा पानी छोड़ने लगी थी कि मेरी पैंटी सामने की तरफ से पूरी तरह से गीली हो चुकी थी.

मैं लगातार उसके लंड को अपनी हथेली में लेकर आगे पीछे करती हुई जोर जोर से सहला रही थी.

वो भी मेरे पूरे बदन को चूमता जा रहा था और अपने दोनों एक हाथ से मेरे मम्मों को बड़ी बेदर्दी से मसल रहा था.

जल्द ही उसने अपना एक हाथ मेरी चूत के नीचे से डालकर मुझे हवा में उठा लिया और मुझे बिस्तर पर लुड़का दिया.

मैं बिस्तर पर जाकर लेट गई और सुब्बाराव भी मेरे ऊपर आ गया.

उसने दोनों हाथों से मेरे मम्मों को मसलना और चूमना शुरू कर दिया और धीरे धीरे पेट और कमर को चूमते हुए मेरी पैंटी तक पहुंच गया.

उसने एक झटके में ही मेरी पैंटी को निकाल दिया और मुझे पूरी तरह से नंगी कर दिया.

उसने एक नजर मेरी चूत को देखा जो पूरी तरह से पानी में गीली हो चुकी थी.



मेरी चूत पर झांट का एक भी बाल नहीं था, मैंने आज सुबह ही चुत की सफाई की थी.  
मेरी गुलाबी चूत अब और ज्यादा चमक रही थी.

वैसे भी मैं अपनी चूत पर अच्छे से साफ सफाई रखती हूँ और मेरी चूत को देखकर ही कोई भी जोश से भर सकता है.

सुब्बाराव ने मेरी दोनों टांगों को एक झटके में फैला दिया जिससे मेरी चूत खुलकर उसके सामने आ गई.

सुब्बाराव मेरी चूत की तरफ झुका और अपनी जीभ बाहर निकाल कर मेरी चूत में चलाने लगा.

उस अहसास को मैं कभी भी नहीं भूल सकती क्योंकि आज पहली बार किसी मर्द ने मेरी चूत को चाटा था और मैं बस यही चाहती थी कि कोई मेरी चूत को चाट चाट कर मुझे मजा दे दे.

पोर्न फिल्में देखने के कारण ही मेरे अन्दर XXX डर्टी पोर्न करने की भावना आई थी और आज मुझे वो सुख मिल रहा था.

बीच बीच में सुब्बाराव अपनी एक उंगली को चूत में डालता और मेरी चूत के पानी को चूत में चारों तरफ लगाकर फिर से चाटता.

कसम से उसने मेरी दिल की तमन्ना पूरी कर दी थी. जिस तरह से मैं चुदाई करना चाहती थी, वो बिल्कुल वैसा ही कर रहा था.

वो मेरी चूत को उंगलियों से फैला कर अन्दर तक अपनी जीभ डाल रहा था और मैं अपनी आंखें बंद किए हुए उस आनन्द को ले रही थी.

मेरी दोनों जांघें बुरी तरह से कांप रही थीं और मैंने दोनों हाथों से चादर को जकड़ी हुई थी.

बीच बीच में मेरे अन्दर इतनी ज्यादा उत्तेजना पैदा हो जाती कि मैं अपनी गांड को जोर जोर से उचकाने लगती.

जल्द ही मेरी कामोत्तेजना ने जवाब दे दिया और मैं सुबबाराव के मुँह में ही झड़ गई.

सुबबाराव ने बिना कुछ सोचे मेरी चूत से निकल रहे पानी को चाट चाट कर साफ कर दिया. वो बस मेरी चूत चाटने में ही व्यस्त था और जल्द ही मैं फिर से गर्म हो गई.

अब मुझसे रहा नहीं जा रहा था और अब मुझे लंड की जरूरत थी.

मैंने अपने हाथ उसके सर पर रखा और उसे ऊपर आने का इशारा किया.

मेरे इशारे को समझते हुए वो मेरे ऊपर आ गया.

मैंने भी अपनी दोनों जांघें फैलाकर उसे अपने आगोश में भर लिया.

हम दोनों एक दूसरे की आंखों में देख रहे थे और इस बीच सुबबाराव ने अपना सुपारा मेरी चूत में रख दिया.

उसके सुपारे की गर्मी पाकर मेरे मुँह से अपने आप ही निकल गया- आह सीईईई!

हम दोनों ही एक दूसरे की आंखों में देख रहे थे और उसने अपना सुपारा चूत में डालना शुरू कर दिया.

जैसे ही उसका मोटा सा सुपारा चूत के छेद को फैलाता हुआ अन्दर गया, मैं जोर से कराह उठी 'ऊऊईईई मम्मईईई ... आहह ... मर गई बहुत मोटा है ... आह धीमे.'

मगर वो बिल्कुल भी नहीं रुका और लंड को अन्दर पेलता चला गया.

उसका लंबा लंड मेरी चूत में बिल्कुल अन्दर तक जाकर बैठ गया. उसका इतना मोटा लंड मेरी चूत में इस तरह से घुसा हुआ था कि हवा तक जाने की जगह नहीं थी.

मुझे बेहद दर्द हो रहा था.

मैं अपने हाथ से उसे रोकने की कोशिश कर रही थी, मगर रोक नहीं रही थी.

अब उसने धीरे धीरे लंड अन्दर बाहर करना शुरू कर दिया.

मेरी भी चूत जबरदस्त गर्म थी, जिससे सुब्बाराव के मुँह से भी आह आह की आवाज निकल रही थी.

इधर उसके धक्के तेज हो रहे थे और मैं बुरी तरह से 'आह आह मम्मीई ईईईईई आह आहाह ... ओओह ...' कर रही थी.

जल्द ही सुब्बाराव ने अपनी पूरी रफ्तार पकड़ ली और मैं बुरी तरह से चीखने लगी 'ऊईई मम्मीईई ... आहाह आहाह ओह आहह ...'

सुब्बाराव ने अपने दोनों हाथ मेरी पीठ पर ले जाकर मुझे बुरी तरह से जकड़ लिया था और अपनी पूरी ताकत से मेरी चुदाई कर रहा था.

मेरा चेहरा उसके चौड़े सीने के नीचे दबा जा रहा था और उसके इतने भारी भरकम शरीर के नीचे मैं पिसी जा रही थी.

वो इतने जोर से धक्के लगा रहा था कि उसके हर धक्के से मेरा पूरा बदन कांप जाता था. वैसे तो मेरे पति हर बार मुझे संतुष्ट कर देते हैं लेकिन आज पहली बार मुझे इतनी बेदर्दी से कोई चोद रहा था.

उसका लंबा लंड बुरी तरह से मेरी चूत में अन्दर बाहर हो रहा था और उस मोटे लंड के घर्षण के कारण जल्द ही मैं झड़ गई.

फिर भी सुब्बाराव बिना रुके मुझे चोदे जा रहा था.

जल्द ही सुब्बाराव रुक रुक कर तेज धक्के लगाने लगा मतलब वो लंड बाहर तक निकालता और अपनी पूरी ताकत से अन्दर तक पेल देता.

उसके ऐसा करने से मैं बुरी तरह से जोर जोर से चीख रही थी.

ऐसा उसने 10 से 15 बार किया और फिर लंड को बाहर निकाल कर जोर जोर से हिलाने लगा.

मैं एकटक उसके लंड को देख रही थी और जल्द ही उसके सुपारे से तेज पिचकारी निकली और सीधा मेरे मम्मों पर आकर गिरी.

उसका वीर्य बेहद ही गर्म था.

वो लंड हिलाए जा रहा था और उसका पानी मेरे मम्मों और पेट पर गिर रहा था.

जब तक एक एक बूंद नहीं निकल गया, वो लंड हिलाता रहा.

मेरा सीना और पेट पूरी तरह से चिपचिपा गया था लेकिन मुझे जरा भी गंदा नहीं लग रहा था बल्कि मैं अपने हाथ से उसके पानी को अपने मम्मों में मलने लगी.

मुझे ऐसा करता देख सुब्बाराव अपने दोनों हाथों से अपने पानी को मेरे पूरे मम्मों और पेट में लगा कर मालिश करने लगा.

उसके बाद वो मेरे बगल में लेट गया और मैं उठकर बाथरूम गई और अपने आपको आईने में देखने लगी.

मेरा पूरा बदन उसके पानी लगने से चमक रहा था और जैसे जैसे उसका पानी सूख रहा था, वो और गाढ़ा होता जा रहा था.

मैंने टिशू पेपर लेकर अपने बदन को साफ किया और बाथरूम करने के बाद वापस बिस्तर पर आकर लेट गई.

उस वक्त तक सुब्बाराव का लंड सिकुड़ चुका था और वो उसके पेट के ऊपर पड़ा हुआ था.

मैं बस उसके लंड को देख रही थी और सुब्बाराव आंख बंद किए हुए लेटा था.

दोस्तो, इसके आगे की कहानी में आप लोग पढ़ेंगे कि हमारी दूसरी चुदाई कैसी रही और जो काम आज तक मेरे पति ने नहीं किया था, वो काम सुब्बाराव ने किया मतलब मेरी गांड की चुदाई की, जो कि अभी तक पूरी तरह से सील पैक थी.

Xxx डर्टी पोर्न हिन्दी कहानी के इस भाग पर मुझे आपके मेल का बेसब्री से इन्तजार रहेगा.

[komalms1996@gmail.com](mailto:komalms1996@gmail.com)

Xxx डर्टी पोर्न हिन्दी कहानी का अगला भाग : [प्यासी भाभी को चाहिए जोरदार गन्दी चुदाई- 3](#)

## Other stories you may be interested in

### प्यासी भाभी को चाहिए जोरदार गन्दी चुदाई- 3

हॉट भाभी गांड पोर्न कहानी में एक गर्म लड़की ने अपने माली का मोटा लंड अपनी कुंवारी गांड में डलवा कर मजा लिया. उसे सेक्स में कुछ गंदा करके देखना था. नमस्कार दोस्तो, मैं रेणु अपनी कहानी में एक बार [...]

[Full Story >>>](#)

### मौसी की कुंवारी बेटि की चुदाई- 2

देसी गर्ल Xxx चुदाई कहानी में मैंने अपनी मौसी की कमसिन जवान बेटि की चूत की चुदाई की. मेरी कामुक नजर उसकी उभरती जवानी पर पड़ी तो मैंने उसे जल्दी पटा लिया. दोस्तो, मैं अनुज अपनी मौसी की कुंवारी लड़की [...]

[Full Story >>>](#)

### मौसी की कुंवारी बेटि की चुदाई- 1

यंग सेक्सी लड़की हिंदी कहानी में पढ़ें कि मेरी नजर मौसी की बेटि पर पड़ी तो मुझे लगा कि इसकी जवानी खूब निखर उठी है. मैंने उसे लंड के नीचे लाने की कोशिश शुरू कर दी. नमस्कार दोस्तो, मैं अनुज [...]

[Full Story >>>](#)

### प्यासी भाभी को चाहिए जोरदार गन्दी चुदाई- 1

हॉट भाभी Xxx सेक्स डिजायर की इस कहानी में एक लड़की की पति उसके साथ साधारण सेक्स करता था जबकि लड़की पोर्न देख कर वैसा ही जोरदार गन्दा सेक्स चाहती थी. नमस्कार दोस्तो, मैं कोमल मिश्रा अपने सभी पाठकों का [...]

[Full Story >>>](#)

### घर बना चुदाई का अड्डा : मौसी माँ की चुदाई

माँ सेक्स मौसी की चुदाई दोनों हैं इस कहानी में! मेरी तलाकशुदा मौसी हमारे साथ ही रहती थी. एक दिन मैंने मौसी को अन्तर्वासना कहानी पढ़ते देखा तो ... मेरे कामुक मित्रो, मेरा नाम सचिन है और मैं पुणे महाराष्ट्र [...]

[Full Story >>>](#)

